राज्य व्यापार निगम की विदेश स्थित शाखाएं

9439. **श्री हेमेन्द्र सिंह बनेरा :**
श्री जगन्नाथ राव जोशी :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) राज्य व्यापार निगम की विदेशों में कब-कब से और कहां कहां पर शाखाएं हैं और वर्ष 1974-75 मे प्रत्येक शाखा पर कितना व्यय हुआ ;

(ख) क्या राज्य व्यापार निगम की श्रीलंका शाखा के मैनेजर के पद पर नियुक्त व्यक्ति के विरुद्ध कोई जांच चल रही है और यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्योरा क्या है; और

(ग) क्या उपरोक्त भाग (ख) में निर्देशित व्यक्ति के स्थान पर नियुक्त मैनेजर को भी थोड़े समय पश्चात् वापस बुला लिया गया था और यदि हां, तो उसके क्या कारण है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह) : (क) एक विवरण संलग्न है ।

(ख) और (ग) कदाचार और आय के ज्ञात स्रोतों के अनुपात से कहीं अधिक परिसम्पत्तियां जमा करने लेने के आरोप के सम्बन्ध मे एक अधिकारी के, जो वर्ष 1973 में श्रीलंका में था, विरुद्ध जांच चल रही है । उन के उत्तरवर्ती अधिकारी के, जिन्होंने 20-3-73 को कोलम्बो कार्यालय में कार्यभार संभाला था, विरुद्ध कतिपय ऐसी शिकायतो के फलस्वरूप जिनके सम्बन्ध में जांच पूरी कर ली गई है, विभागीय रूप में कार्यवाही की जा रही है ।

विवरण

राज्य व्यापार निगम के विदेशी कार्यालयों के ब्यौरे ।

शाखा स्थल	खोलने की तारीख	व्यय (1974-75 मे) (अनन्तिम) (लाखों में)
अमरीका		
बुआनौस आइरेज	28-7-73	2.74
न्यूयार्क	7-9-71	5.67
पश्चिम यूरोप		
लन्दन	28-9-70	5.12
फ्रकफर्ट	1-8-70	4 77
पेरिस	15-5-71	3.41
पूर्वी यूरोप		
मोस्को	3-4-65	6.17
पूर्वी बर्लिन	16-2-67	2.26
बैलग्रैड	4-9-70	2.78
बुडापेस्ट	10-1-66	2.15
प्राग	10-8-63	2.00

शाखा स्थल	खोलने की तारीख	व्यय (1974-75 में) (अनन्तिम) (लाखों में)
अफ्रीका		
नैरोबाई	9-10-66	2.20
लागौस	9-8-67	4.46
दार-ए-सलम	18-7-72	0.82
पश्चिम एशिया		
बैरूट	6-5-67	2.43
कुवैत	28-5-74	2.73
दक्षिण पूर्व एशिया तथा सुदूर पूर्व		
सिंगापुर	25-8-70	3.68
हांगकांग	21-3-71	0.79
सिडनी	30-9-70	4.79
ढाका	14-3-73	0.77
कोलम्बो	5-7-69	1 23

राज्य व्यापार निगम के पास पड़ा "अन-क्लीयर्ड" माल

9440. **श्री हेमेन्द्र सिंह बनेरा :** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राज्य व्यापार निगम के पास किस-किस देश का कौन-कौन सा आयातित माल एक मास से अधिक समय से "अन-क्लीयर्ड" पड़ा हुआ है और उस के क्या कारण हैं ;

(ख) माल निर्यात के पूर्व उसकी आवश्यकताओं का किस आधार पर अनुमान लगाया गया था ; और

(ग) उक्त माल के विवरण के सम्बन्ध में किस प्रकार की योजना विचाराधीन है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह) (क) एक विवरण संलग्न है जिसमें अपेक्षित जानकारी दी गई है ।

स्टाक जमा होने के कारण ये हैं : ऋण संकुलन के कारण प्रयोक्ताओं द्वारा थोड़ा थोड़ा माल उठाना, प्लास्टिक जैसे अन्तिम उत्पादों की मांग में कमी, कतिपय स्वदेशी कच्चे माल की कीमतों में कमी, विगत खराब कीमत के मुकाबले अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों में गिरावट और स्वदेशी सप्लाई ज्यादा तथा सस्ती मिलना ।

(ख) मांग का अनुमान लगाने के आधार निम्नलिखित है :—

तेल तथा वसा : इनकी आयात की जाने वाली मात्रा कृषि मंत्रालय तय करता है और सूचित करता है ।

रसायन-सामग्री : कुल मांग तथा पूर्ति स्थितियों, और आयात योजनाओं का विनिश्चय आयात सलाहकार समिति करती है जिसमें सम्बन्धित उद्योगों, डी० जी० टी० डी०, लघु उद्योग आयुक्त के कार्यालय, मदों के स्वदेशी विनिर्माताओं तथा राज्य व्यापार निगम के प्रतिनिधि होते हैं ।